



जवाहर विस्तार दर्पण

संचालनालय विस्तार सेवाये
जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर



जनवरी-मार्च 2018

त्रैमासिक समाचार पत्रिका

वर्ष-02 अंक - 05

इस अंक में

- विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ
- वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण कार्यक्रम का आयोजन
- प्रशिक्षण
- समीक्षा बैठक
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ
- अवार्ड/सम्मान

संरक्षक

प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन
कुलपति
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

मार्गदर्शक

डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता
संचालक विस्तार सेवाएं
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

प्रधान संपादक

डॉ. अर्चना पाण्डे

संपादक मंडल

डॉ. टी.आर. शर्मा
डॉ. संजय वैशंपायन
डॉ. अनय रावत
डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता

कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन सम्मानित



25 मार्च, 2018 में राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली में आयोजित 'सतत् कृषि व खाद्य सुरक्षा हेतु संसाधन संरक्षण' पर राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर श्री राधा मोहन सिंह जी, माननीय केन्द्रीय कृषि मंत्री, भारत सरकार द्वारा डॉ. प्रदीप कुमार बिसेन, माननीय कुलपति को सम्मानित किया गया। समस्त विश्वविद्यालय परिवार की ओर से बधाई।

डा. (श्रीमती) ओम गुप्ता: नवनियुक्त संचालक विस्तार सेवाये

डा. (श्रीमती) ओम गुप्ता ने फरवरी 05, 2018 को प्रथम महिला निदेशक के रूप में संचालक विस्तार सेवायें, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर का पदभार संभाला।



डा. गुप्ता ने 1976 में पौध रोग विभाग से प्रथम छात्रा के रूप में मास्टर डिग्री तथा 1982 में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। विभिन्न पदों पर रहकर 37 वर्षों तक दलहनी फसलों पर पौध रोग से संबंधित शोध का कार्य तथा चने की 8 उकठा रोधी एवं मूँग की बुकनी एवं यलो मोजक अवरोधी किस्मों को विकसित किया। सन् 2015 में विश्वविद्यालय के इतिहास में प्रथम महिला अधिष्ठाता के रूप में कृषि महाविद्यालय, जबलपुर में पदभार सम्भाला। इंडियन सोसाइटी ऑफ पल्स रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट द्वारा सन् 2001 और 2014 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति तथा अंतर्राष्ट्रीय दलहन सम्मेलन 2003 में तत्कालीन केन्द्रीय कृषि मंत्री द्वारा आई.एस.पी.आर.डी. रिकार्गेनेशन एवार्ड से सम्मानित किया गया। सन् 2002 में सी.जी.आई.ए.आर. के किंग वाइडोनिन एवार्ड एवं डोरेन मैशलर एवार्ड, 2006 में बेस्ट सेंटर परफारमेन्स एवार्ड तथा 2008 में मिलेनियम इक्रीसेट साइंस एवार्ड से चने पर नेतृत्व एवं उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रदान किया गया। आई.सी.ए.आर. द्वारा (2006-2014) राष्ट्रीय स्तर पर प्रिंसिपल इनवेस्टीगेटर (क्राप प्रोटेक्शन, चना) मनोनीत किया गया। आपको तीन प्रोफेशनल सोसाइटी की फैलो से नवाज़ा गया है। सोसाइटी फॉर साइंटिफिक डेवलपमेंट इन एग्रीकल्चर एवं टैक्नोलॉजी द्वारा 2016 में प्लांट पैथोलॉजी में लाइफटाइम एचीवमेंट अवार्ड, तथा 2017 में आइसा, आई.सी.ए.आर. एवं यू.ए.एस., रायचूर द्वारा राष्ट्रीय युवा सम्मेलन में एमपॉवरमेंट ऑफ यूथ इन एग्रीकल्चर के लिये हरित रत्न एवार्ड से सम्मानित किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्रों के 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री के सम्बोधन का वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण



कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट



कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली



कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाड़ा



कृषि विज्ञान केन्द्र, दमोह



कृषि विज्ञान केन्द्र, डिंडौरी



कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा



कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर



कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी



कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला



कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना



कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा



कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर



कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी



कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल



कृषि विज्ञान केन्द्र, सिध्धी



कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल



कृषि विज्ञान केन्द्र, छत्तरपुर

विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्रों के 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री के सम्बोधन का वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण कार्यक्रम का आयोजन



कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़



कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया

दिनांक 16 एवं 17 मार्च, 2018 को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली (भारत सरकार) में कृषि विज्ञान केन्द्रों का राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, इस अवसर पर दिनांक 17 मार्च 2018 को माननीय प्रधानमंत्री जी ने देश के 681 कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रभारियों, विश्वविद्यालयों के निदेशकों एवं विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों पर एकत्रित लगभग 7,00,000 कृषकों को सीधे प्रसारण (वेबकास्ट) के माध्यम से सम्बोधित किया। इस कार्यक्रम में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अधीनस्थ 20 कृषि विज्ञान केन्द्रों ने भागीदारी की। कार्यक्रम में मंत्रीगण, विधायकगण एवं जनप्रतिनिधियों की भागीदारी रही।

प्रशिक्षण



- दिनांक 15 से 19 जनवरी, 2018 एवं 5 से 9 मार्च, 2018 को वानिकी विषय पर मास्टर प्रशिक्षक प्रशिक्षण विस्तार संचालनालय में आयोजित किया गया, जिसमें कृषि विभाग के 62 अधिकारियों ने भाग लिया।
- राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), हैदराबाद द्वारा आयोजित प्रशिक्षण 5 से 10 फरवरी, 2018 को 'फसल उत्पादन एवं पोषण प्रबंधन' विषय में विस्तार संचालनालय में आयोजित किया गया एवं 19-24, फरवरी, 2018 को 'उद्यानिकी फसलों एवं मूल्य संवर्धन' विषय में प्रशिक्षण विस्तार संचालनालय में आयोजित किया गया जिसमें कृषि विभाग के 66 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- उद्यमिता विकास केन्द्र, मध्यप्रदेश (सेडमेप) द्वारा दिनांक 26-27 फरवरी, 2018 को 'उद्यानिकी फसलों के अंतर्गत सिंचाई तकनीक, पॉली हाउस, खाद्य प्रसंस्करण, जल संवर्धन' आदि विषयों पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें 40 कृषकों ने भाग लिया।
- इफको कृषक प्रशिक्षण एवं भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 6 से 9 मार्च, 2018 में जिला सागर, जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, नरसिंहपुर, मंडला, बालाघाट जिलों से 40 कृषकों ने भाग लिया।
- दिनांक 12-16 मार्च, 2018 आत्मा योजनांतर्गत प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें 40 कृषकों ने भाग लिया।

समीक्षा बैठक-

विस्तार संचालनालय में दिनांक 03 फरवरी, 2018 को समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें 14 कृषि विज्ञान केन्द्रों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट

किसानों को जैविक खेती के द्वारा उत्पन्न उत्पादों से आय को दुगना करने के उद्देश्य से देश के माननीय योग गुरु श्री रविशंकर, प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह, प्रदेश के माननीय कृषि मंत्री श्री गौरीशंकर बिसेन के मार्गदर्शन में राज्यस्तरीय जैविक एवं आध्यात्मिक कृषि मेला दिनांक 7 से 9 मार्च, 2018 को किया गया, जिसमें प्रदेश के कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने जैविक उन्नत कृषि तकनीक की जानकारी कृषकों को प्रदान की। मेले में

प्रदेश-देश के विभिन्न भागों से जैविक उत्पादन एवं क्रेताओं ने अपनी भागीदारी की।



विज्ञान मेला

जिला स्तरीय चार दिवसीय विज्ञान मेला दिनांक 16 से 19 फरवरी, 2018 को बालाघाट में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. नवीन चंद्रा, निदेशक, म.प्र. शासन एवं तकनीकी एवं डॉ. कमलेश्वर राय निदेशक, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान केन्द्र (इसरो) थे। मेले में कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रदर्शनी लगायी गयी जिसमें केन्द्र पर उत्पादित सब्जियां जैसे रेडकैबेज, ब्रोकली, मशरूम एवं चारा की उच्च उत्पादित फसलें जैसे हाइब्रिड नेपियर एवं जई को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम को भाषा एटामिक अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. जाम्बोलकर ने कृषक संगोष्ठी को सम्बोधित किया जिसमें केन्द्र द्वारा फसलों के उन्नयन हेतु किये जा रहे कार्यों का व्यौरा दिया गया।



कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल

लालिमा योजनात्तर्गत उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन

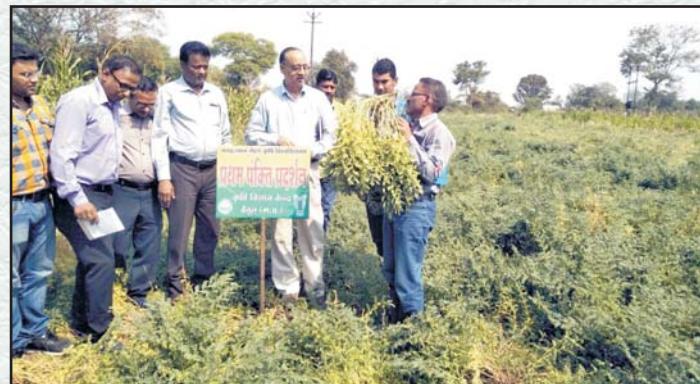
केन्द्र प्रमुख डॉ. विजय कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में दिनांक 14 मार्च 2018 को कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल में महिला एवं बाल विकास विभाग के लालिमा योजनात्तर्गत उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया। अपने उद्बोधन में डॉ. वी.के. वर्मा ने

प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि कुपोषण को दूर करने में महिला एवं बाल विकास विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है। महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यक्रम अधिकारी श्री सुमन कुमार पिल्लाई ने विभाग की लालिमा योजना के अंतर्गत डब्ल्यू.ए.च.ओ. एवं भारत सरकार द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों की जानकारी प्रदान की। केन्द्र की वैज्ञानिक रिया ठाकुर, डॉ. संजीव वर्मा, डॉ. आर.डी. बारपेटे, डॉ. मेघा दुबे ने विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम में गृह विज्ञान महाविद्यालय, बैतूल की खाद्य विज्ञान विभाग की प्राध्यापक श्रीमती भादे ने खाद्य संरक्षण एवं प्रसंस्करण की जानकारी प्रदान की।



“समूह प्रदर्शन” कार्यक्रम

अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, पवारखेड़ा डॉ. डी.के. पहलवान, डॉ. परवेश खान, डॉ. जैन, डॉ. शर्मा आदि ने कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल द्वारा समूह प्रदर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत लगाए गए प्रदर्शनों का दिनांक 22 फरवरी 2018 को भ्रमण किया। समूह प्रदर्शन के अंतर्गत 30 हेक्टेयर में कार्यक्रम 75 किसानों के प्रक्षेत्र पर किया गया है। एक दिवसीय प्रशिक्षण में डॉ. पहलवान ने कृषकों को कृषि की उन्नत तकनीकी की जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण में लगभग 60 कृषकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में डॉ. वर्मा ने दल को केन्द्र की प्रदर्शन इकाई का भ्रमण कराया एवं बताया कि केन्द्र को एक आई.एफ.एस. मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसके तहत मुर्गी पालन, पशु चिकित्सालय, मातृवृक्ष



पौधशाला, मौसम वेधशाला, केंचुआ खाद इकाई, अजोला इकाई, सौर ऊर्जा चलित मोटर पंप, रोपणी, औषधीय पौधशाला, फसलों की उन्नत किस्मों का प्रदर्शन आदि प्रमुख है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर

केन्द्र द्वारा सब्जियों की किट का वितरण

दिनांक 28 मार्च, 2018 को कृषि विज्ञान केन्द्र, नौगांव, छतरपुर द्वारा न्यूट्री स्मार्ट विलेज कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम धरमपुरा में 50 किसानों को भारतीय बागवानी कृषि अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर द्वारा तैयार सब्जियों की किट का वितरण किया गया।



माननीय कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन द्वारा केन्द्र का भ्रमण

माननीय कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन द्वारा केन्द्र का भ्रमण किया गया। इस कार्यक्रम में आपने अपने व्याख्यान में कहा कि हम वैज्ञानिकों का देश में बहुत ज्यादा महत्व है और हम वैज्ञानिक कितने चुनौतियों का सामना करते आ रहे हैं और भविष्य में और अधिक चुनौतीपूर्ण वैज्ञानिक का जीवन होगा, क्योंकि आज हमारे पास पूरे विश्व का मात्र 4 प्रतिशत जमीन, 3 प्रतिशत पानी एवं 16 प्रतिशत जनसंख्या है, जिससे स्पष्ट होता है कि उपलब्ध संसाधन से 4-5 गुना ज्यादा हमारे देश की जनसंख्या है, जिसके लिए हम खाद्यान्न उत्पादन कर रहे हैं और भविष्य में और अत्यधिक उत्पादन के लिए तत्पर है, किंतु उक्त सपना तभी साकार होगा जब



नवयुवक कृषक की कृषि में सहभागिता होगी। इसके लिए महोदय जी द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र को निर्देशित किया गया कि जिले के लिए उपयुक्त नवीनतम तकनीक का समावेश किया जाए जिससे किसान अत्यधिक लाभान्वित हो और नवयुवक कृषक का झुकाव खेती की तरफ बढ़ाया जा सके।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाड़ा

दो दिवसीय उद्यानिकी मेला एवं प्रदर्शनी

कृषि विज्ञान केन्द्र, चंदनगाँव छिंदवाड़ा द्वारा शासकीय उद्यान रोपणी, जमुनिया, जिला छिंदवाड़ा में दो दिवसीय उद्यानिकी मेला एवं प्रदर्शनी का दिनांक 12-13 मार्च, 2018 तक आयोजन किया गया। इस मेले का शुभारंभ माननीय श्रीमती कांता ठाकुर, अध्यक्ष, जिला पंचायत, छिंदवाड़ा के मुख्य आतिथ्य में हुआ, जिसमें जिले के 11 विकासखण्डों के लगभग 400 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ. एन.एस. तोमर, उपसंचालक उद्यानिकी, छिंदवाड़ा तथा केन्द्र प्रमुख डॉ. सुरेन्द्र पन्नासे, डॉ. एस.डी. सावरकर, प्रमुख वैज्ञानिक, डॉ. आर.के. झाड़े, वैज्ञानिक, डॉ. सरिता सिंह, वैज्ञानिक, श्री नितेश गुप्ता, कार्यक्रम सहायक, डॉ. एस.के. अहिरवार, कार्यक्रम सहायक तथा श्री एस.एल. अलावा, कार्यक्रम सहायक ने विभिन्न विषयों पर तकनीकी मार्गदर्शन दिया तथा किसानों की विभिन्न उद्यानिकी समस्याओं का निराकरण भी किया। मेले में कृषि विज्ञान केन्द्र एवं उद्यान विभाग की ओर से प्रदर्शनी लगाई गई जिसमें उद्यानिकी संबंधित नवीनतम तकनीकों के साथ फल, सब्जियों, फूलों आदि की नई किस्मों एवं जैविक उत्पादों का प्रदर्शन किया गया।



फल वृक्षों में पौध प्रवर्धन तकनीक पर पाँच दिवसीय कौशल प्रशिक्षण सम्पन्न

केन्द्र में पाँच दिवसीय कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम 'फलदार वृक्षों में पौध प्रवर्धन तकनीक' विषय पर दिनांक 21-25, फरवरी, 2018 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ डॉ. एन.एस. तोमर, उपसंचालक उद्यानिकी, छिंदवाड़ा के मुख्य



आतिथ्य में हुआ। जिसका समापन दिनांक 25 फरवरी 2018 को कृ.वि.के. में श्री सलिल झोकरकर, जिला प्रबंधक 'नाबार्ड' के मुख्य अतिथ्य में हुआ। जिसमें केन्द्र प्रमुख, डॉ. सुरेन्द्र पन्नासे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की साथ ही डॉ. एस. डी. सावरकर, प्रमुख वैज्ञानिक मंच पर उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान जैविक खादों का उपयोग संतुलित पौध पोषण, तरल खाद के उपयोग आदि पर चर्चा की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा कृषकों में कौशल विकास को बढ़ावा देना था। आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र तामिया के अलग-अलग गाँव से 20 युवा किसानों ने हिस्सा लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, दमोह

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

दिनांक 08 मार्च 2018 को कृषि विज्ञान केन्द्र, दमोह में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के आयोजन पर दमोह जिले के पथरिया एवं दमोह विकासखण्ड की 42 प्रगतिशील महिला कृषकों की सहभागिता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती अनीता साहू, महिला मंडल अध्यक्ष, दमोह रहीं एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती चंद्रप्रभा ठाकुर, विकासखण्ड-पटेरा, जिला दमोह ने की। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बी.एल. साहू द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व एवं कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की। इसके पश्चात् कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ने महिलाओं को सबल बनने के लिए



तथा अध्यक्षा महोदया द्वारा उपस्थित महिलाओं से स्वरोजगार से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. आर.के. द्विवेदी द्वारा महिलाओं की कृषि में सहभागिता की विस्तारपूर्वक चर्चा की एवं वैज्ञानिक डॉ. पी. ठाकुर द्वारा उपस्थित महिलाओं को बीज उत्पादन कार्यक्रम, फसल संग्रहालय, औषधीय एवं संगधीय फसल वाटिका, पोषण वाटिका एवं उद्यानिकी फसलों में अमरुद का सघन बगीचा, अनार की उन्नत किस्मों एवं मुनगा (सहजन) की तकनीकी का प्रक्षेत्र भ्रमण कराया गया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन श्रीमती रेशमा झारिया ने किया।

पूर्व कृषि मंत्री एवं अध्यक्ष, बुन्देलखण्ड विकास प्राधिकरण द्वारा केन्द्र का भ्रमण

दिनांक 2 फरवरी 2018 को माननीय डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया जी, अध्यक्ष, बुन्देलखण्ड विकास प्राधीकरण एवं पूर्व कृषि मंत्री जी का कृषि विज्ञान केन्द्र, दमोह में आगमन हुआ। केंद्र प्रभारी द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी और केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. मनोज अहिरवार ने केंद्र में स्थापित विभिन्न इकाईयों जैसे - मधुमक्खी पालन एवं प्रसंस्करण इकाई, केंचुआ पालन इकाई, नाडेप टांका इकाई, अमरुद मिडो बगीचा इकाई, अनार बगीचा इकाई, रबी फसल क्रॉप कैफेटेरिया, सब्जी पोषण गृह वाटिका, औषधीय एवं संगधीय इकाई एवं मौसम इकाई आदि का भ्रमण कराया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डौरी

पौध किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डौरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. हरीश दीक्षित के मार्गदर्शन में दिनांक 9 फरवरी, 2018 को पौध किस्म संस्था एवं कृषक अधिकार प्राधिकरण पर कृषकों, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, एन.जी.ओ. व स्टेकहोल्डर्स के लिए प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. प्रतिभा दास ने कृषकों



को प्रशिक्षण के माध्यम से उसकी किस्मों के अधिकार के बारे में बताया। डॉ. दीक्षित ने कृषक अधिकार अधिनियम, केन्द्र के उद्देश्यों व गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वैज्ञानिक कु. निधि वर्मा ने विभिन्न फसलों की उन्नत किस्म व जैविक खेती के बारे जानकारी दी। डॉ. प्रणय भारती ने स्वदेशी नस्ल के उन्नत पशुओं व उनके रखरखाव की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में लगभग 200 किसानों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा

कृषि उन्नत मेला 2018

दिनांक 17 मार्च, 2018 को कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा द्वारा कृषि उपज मंडी, हरदा में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में हरदा जिले के तीनों विकासखण्ड से लगभग 1069 कृषकों ने भाग लिया। इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कृषि उन्नति मेला 2018 के उद्घाटन अवसर पर दिल्ली से कृषकों को संबोधित किया, जिसका सजीव प्रसारण



ऑनलाइन वेबकॉस्टिंग के माध्यम से कृषकों को सुनाया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पी.सी. मिश्रा, सहसंचालक अनुसंधान, जोनल कृषि अनुसंधान केन्द्र पवारखेड़ा एवं डॉ. पी.बी. शर्मा, प्रमुख वैज्ञानिक विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर

कृषक प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम 2001 के तहत कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर द्वारा कृषक प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 7 मार्च 2018 को कार्यक्रम का शुभारंभ संचालक विस्तार डॉ. ओम गुप्ता द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में कृषकों को देशी किस्मों के संरक्षण की जानकारी दी गई साथ ही अपने-अपने उद्बोधन में



किस्मों के पंजीकरण कराने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर प्रदर्शनी का भी आयेजन किया गया जिससे कृषकों द्वारा लाई गई देशी किस्मों को प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में कुल 110 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया।

उद्यानिकी फसलों की जिला स्तरीय कार्यशाला

कृषि विज्ञान केन्द्र जबलपुर द्वारा उद्यानिकी फसलों की जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 13-14 मार्च 2018 को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय कुलपति ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन ने कृषकों को संबोधित किया और उद्यानिकी फसलों के द्वारा अपनी आय दुगनी करने के बारे में जानकारी दी। कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. डी.पी. शर्मा ने स्वागत भाषण के दौरान उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने पर बल दिया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवायें, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से उद्यानिकी फसलों को किसानों द्वारा अधिक से अधिक अपनाने की सलाह दी। डॉ. एस.के. पाण्डेय प्राध्यापक, श्रीमती शिखा, डी.जी.एम. नावार्ड, पी.सी. नाथन पूर्व डी.जी.एम. नावार्ड, डॉ. एस.के. राय, उप संचालक कृषि, जबलपुर भी कार्यशाला में उपस्थित हुए। कार्यशाला के दौरान 200 कृषकों एवं कृषक महिलाओं ने भाग लेकर जिले में उद्यानिकी फसलों को अपनाकर अपनी आय बढ़ाने की बात कही।



कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी

पांच दिवसीय ग्रामीण युवा प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र, कटनी द्वारा जनवरी से मार्च, 2018 के बीच में रबी फसल उत्पादन तकनीक, पशुपालन, मुर्गी पालन तकनीक, कृषि यंत्रों का रख-रखाव तथा फसल कटाई एवं गहाई यंत्रों का उपयोग एवं भण्डारण के सन्दर्भ में पांच दिवसीय ग्रामीण युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान युवाओं को कृषि के विभिन्न रोजगार की जानकारी, व्यावहारिक ज्ञान तथा प्रक्षेत्र भ्रमण कराया गया, इन तकनीकों का उपयोग करके, ग्रामीण युवा खेती के साथ साथ स्वयं का रोजगार प्रारंभ कर आमदनी बढ़ा सकते हैं।



पोषण सुरक्षा पर कार्यशाला

कृषि विज्ञान केंद्र, पिपरौंध द्वारा 'परिरक्षण से सम्पूर्ण पोषण (पोषण सुरक्षा)' पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला कार्यक्रम डॉ. ए.के. तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केंद्र, कटनी के मार्गनिर्देशन में दिनांक 23 मार्च, 2018 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 52 प्रशिक्षार्थी उपस्थित रहे, जिसमें महिला बाल विभाग, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के विस्तार कार्यकर्ता, तिलक महाविद्यालय के अध्यनरत विद्यार्थी एवं प्रगतिशील कृषकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में विभिन्न पोषक तत्वों जैसे प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम की कमी एवं कृमि से होने



वाली दुष्प्रभाव के परिणामस्वरूप कुपोषण को दूर करने के लिए परिरक्षित उत्पादों के प्रयोग से दैनिक पोषण आवयशकता की पूर्ति के महत्व के बारे में बताया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला

राष्ट्रीय उद्यानिकी मिशन के अंतर्गत जिला स्तरीय उद्यानिकी प्रदर्शनी सह मेला

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला के द्वारा राष्ट्रीय उद्यानिकी मिशन के अंतर्गत जिला स्तरीय उद्यानिकी प्रदर्शनी सह मेला का आयोजन दिनांक 27 मार्च 2018 को स्थानीय किंगफिशर मॉल के सभागार में जिले के समस्त विभाग प्रमुखों एवं समस्त विकासखंडों से आये 250 कृषकों की उपस्थिति में आयोजित किया गया जिसमें किसानों की समस्याओं पर विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत चर्चा की गयी। कार्यक्रम में कृषि एवं उद्यानिकी उत्पादों में वृद्धि एवं उनके प्रसंस्करण द्वारा कृषकों की आय में वृद्धि हेतु विस्तृत चर्चा की गई। उपरोक्त कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.एस. गौतम, वैज्ञानिक डॉ. विशाल मेश्राम, डॉ.पी. सिंह, उद्यान विभाग के उपसंचालक ज्ञानेन्द्र सिंह, चन्द्रगुप्त नामदेव डॉ. आर.के. सिंह, आदि उपस्थित रहे।



कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर

गन्ना उत्पादन पर प्रशिक्षण

गन्ना उत्पादन तकनीकी पर वैज्ञानिक कृषक परिचर्चा का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर में दिनांक 20 जनवरी 2018 को पूर्व गन्ना आयुक्त, डॉ. साधुराम शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश के प्रमुख गन्ना शास्य वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एस.एन. सिंह, गन्ना रोग विशेषज्ञ डॉ. एम.आर. सिंह, गुड़ एवं खांडसारी विशेषज्ञ, डॉ. एस.एल. अनवर, श्री सी. एस. तिवारी जी एवं नरसिंहपुर के विभिन्न अंचलों से पधारे गन्ना उत्पादक कृषक एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष शर्मा, प्रभारी



उपसंचालक कृषि डॉ. आर.एन. पटेल एवं सहायक संचालक गन्ना डॉ. अभिषेक दुबे उपस्थित थे। गन्ना रोग विशेषज्ञ डॉ. एम.आर. सिंह ने गन्ने में लगने वाले प्रमुख रोग एवं कीड़ों की पहचान, नुकसान का समय तथा उनके निदान के बारे में एवं ऐसी किस्मों के बारे में बताया जिनमें रोग ज्यादा आता है एवं ऐसी किस्मों को कृषकों को न लगाने की सलाह दी।

मशरुम उत्पादन पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर में स्वयं का रोजगार सृजन हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन दिनांक 26-28 मार्च 2018 तक जिले के युवाओं को दिया गया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. आशुतोष शर्मा ने कृषि विज्ञान केन्द्र के कार्य के बारे में कृषकों को बताया गया। केन्द्र के पादप संरक्षण वैज्ञानिक डॉ. एस.आर. शर्मा ने बटन, मशरुम ढीगरी मशरुम, दुधिया मशरुम व पैडी स्ट्रा मशरुम के उत्पादन तकनीकी के बारे में युवाओं को बताया तथा मशरुम में लगने वाले रोग/कीट की पहचान, कारक व निदान के उत्तम विधियों से प्रशिक्षार्थियों को अवगत कराय। प्रशिक्षण में डॉ. यतिराज खरे ने मार्केटिंग व समूह बनाकर कार्य करने के लाभ से अवगत कराया। डॉ. दिपाली बाजपेयी मशरुम से बनने वाले व्यंजनों, मशरुम पाउडर व सुखाकर मशरुम के उपयोग के बारे में जानकारी दी। मशरुम उगाने में विभिन्न फसल अवशेषों का कैसे उपयोग किया जाये के बारे में डॉ. रिचा सिंह ने जानकारी दी।



कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना

पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम पर प्रशिक्षण

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना द्वारा पौध किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम पर प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. बी.एस. किरार, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख एवं डॉ. आर.के. जायसवाल, वैज्ञानिक द्वारा व्याख्यान अन्तर्गत स्थानीय किस्मों का नयी किस्म विकसित करने में विशेष योगदान रहता है। फसल की स्थानीय किस्मों, कृषकों तथा पादप प्रजनकों के अधिकारों की सुरक्षा तथा पौध की नयी किस्मों के विकास के लिए एक प्रभावी प्रणाली की स्थापना हेतु भारत सरकार ने पौध किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम 2001 का गठन किया गया। कार्यक्रम के दौरान कृषकों से 18 स्थानीय किस्मों के बीज भी एकत्रित किये गये।



पन्ना के लक्ष्मण को मिला जैविक खेती का अवार्ड-

देश में प्रथम स्थान: आई.सी.सी.ओ.ए., बैंगलौर द्वारा 50 हजार रुपये का पुरस्कार कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना के संपर्क किसान, लक्ष्मणदास सुखरमानी, ग्राम के जनवार वि.ख. पन्ना को इन्टरनेशनल कॉम्पीटेन्स सेन्टर ऑफ आर्गेनिक एग्रीकल्चर, बैंगलौर द्वारा 20 जनवरी 2018 को वर्ष 2016-17 में जैविक खेती के लिए जैविक इण्डिया अवार्ड दिया गया। लक्ष्मणदास जैविक



खेती में देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले एवं प्रदेश का मान बढ़ाया है। जैविक खेती जगत में सराहनीय योगदान के लिए उन्हें 50 हजार रु. का चैक, शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र दिया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा

एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा द्वारा आत्मा परियोजना के अन्तर्गत कार्य करने वाले अधिकारियों की कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. ए.के. पाण्डेय, कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा, श्रीमती प्रीति द्विवेदी, सहायक उपसंचालक आत्मा परियोजना, कृषि कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, रीवा द्वारा कृषकों की आय दोगुना करने के लिए शासन द्वारा योजनाओं के सुचारू रूप व सही समय से क्रियान्वित करने के लिए आधिकारियों को प्रशिक्षित किया। इस कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. अखिलेश कुमार ने बताया कि कृषकों की आय दोगुना करने के लिए फसलों में लगने वाले कीट को कम से कम लागत में कैसे प्रबंधन करें। इस कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. निर्मला सिंह, डॉ. बी.के. तिवारी, डॉ. (श्रीमती) किन्जल्क सिंह, डॉ. ए.के. पटेल, डॉ. के.एस. बघेल, डॉ. संजय सिंह, श्री एम.के. मिश्रा, श्री धर्मेन्द्र पटेल एवं श्री ओम प्रकाश साकेत आदि का सहयोग रहा।



दो दिवसीय उद्यानिकी मेला का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा में दो दिवसीय उद्यानिकी मेला/सेमीनार एवं कार्यशाला का शुभारंभ हुआ जिसमें रीवा जिले के कृषकों ने प्रशिक्षण लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि महाविद्यालय, रीवा के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाण्डेय, संयुक्त संचालक (उद्यान) श्री जे.पी. कोलेकर, सहायक संचालक (उद्यान) श्री गिरीश तिवारी, केन्द्र के प्रमुख डॉ. ए.के. पाण्डेय ने दीप प्रज्वलित कर किया। संयुक्त संचालक (उद्यान) ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेती को लाभ का धंधा बनाना है तो फलों एवं सब्जियों की खेती साथ में करना होगा। सहायक संचालक (उद्यान) ने कहा कि उद्यान में



रीवा राज्य के प्रमुख दस जिलों में अपना स्थान रखता है जिसमें प्रमुख रूप से पॉलीहाऊस का विकास हुआ है। केन्द्र से जुड़कर नई-नई तकनीकियों के विषय में जानकारी लेने से खेती के उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर

माननीय कुलपति प्रो. पी.के. बिसेन द्वारा केन्द्र का भ्रमण

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. पी.के. बिसेन द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र एवं क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान, सागर की विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान प्रो. बिसेन द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र की विभिन्न इकाईयों अलसी, मूलार्प, गेहूं अनुसंधान परियोजनाओं का अवलोकन करते हुए निर्देश दिए गए, साथ ही उन्होंने कृषकों के हित में अधिक से अधिक उन्नत किस्मों के विमोचन करने की आशा व्यक्त की।



कृषि विज्ञान केन्द्र के दलहन समूह प्रदर्शन का अवलोकन

दिनांक 9 फरवरी 2018 को वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं केन्द्र प्रमुख डॉ. के.एस. यादव के मार्गदर्शन में दलहन समूह प्रदर्शन में चना की उन्नत एवं उकठा निरोधी किस्म जे.जी. 63 के 75 एकड़ के प्रदर्शन तथा मसूर की उन्नत एवं उकठा निरोधी किस्म आई.पी.एल. 316 के 50 एकड़ प्रदर्शन का भ्रमण व अवलोकन कृषि महाविद्यालय गंजबासौदा के अधिष्ठाता डॉ. आई.एम. खान, डॉ. पी.के. मिश्रा,



वरिष्ठ वैज्ञानिक (सस्य विज्ञान), डॉ. योगेश पटेल, सह-प्राध्यापक (कीट विज्ञान) तथा डॉ. राजमोहन शर्मा, सह-प्राध्यापक (पादप प्रजनन एवं आनुवंशिकी) द्वारा ग्राम मसुरहाई, मनेशिया, वेरखेड़ी तथा पथरियाहाट आदि में किया गया।



कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी

छात्र वैज्ञानिक परिचर्चा

केन्द्र में युवा छात्र वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन दिनांक 9 फरवरी 2018 को प्रो. एस.के. बरमैया, वनस्पति विभाग, पी.जी. कॉलेज, सिवनी एवं श्री ए.पी. भंडारकर, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में छात्रों को वैज्ञानिकों द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियाँ एवं कृषि में रोजगार के अवसर की जानकारी प्रदान की गई छात्रों को कृषि विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत फसल संग्रहालय, एकीकृत फसल प्रणाली प्रबंधन, अजोला उत्पादन, वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन, कुकुट उत्पादन इत्यादि की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में लगभग 80 विद्यार्थियों ने भाग लिया।



कृषक प्रशिक्षण का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी के अंगीकृत गांव जमुनिया में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत मुख्य रूप से गर्मी में मूँग फसल की उत्पादन तकनीक बतायी गयी कृषि वैज्ञानिक डॉ. एन.के. सिंह द्वारा मूँग की उन्नत

किस्म विराट, टी.एम. बी-37 का चुनाव करके बुबाई करने के पूर्व बीज का उपचार थायोमेथोक्जाम 30 एफ.एस. दवा 10 मि. ली. प्रति किलो बीज की दर से करने के पश्चात् बोनी करने की सलाह दी ताकि मूँग की फसल में पीला मोजेक रोग का प्रकोप न हो। संतुलित उर्वरक प्रबंधन, कतार में बोनी की सलाह दी गयी जिससे उत्पादन अच्छा प्राप्त हो सके इस अवसर पर ग्राम में कचरा अपघटक का प्रदर्शन आयोजित किया गया। राष्ट्रीय जैविक खेती केन्द्र, गाजियाबाद द्वारा विकसित कचरा अपघटक (वेस्ट डीकम्पोजर) सूखी घास, पैरा, फसल अवशेष भूसा डंठल आदि को सड़ा गला कर 30 से 40 दिन में जैविक खाद में परिवर्तित कर देता है कचरा अपघटक जैव उर्वरक, बायोकंट्रोल और मिट्टी स्वास्थ्य पुनरुद्धारक के रूप में काम करता है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल

लालिमा योजना

लालिमा योजना अंतर्गत खाद्य पदार्थों का प्रसंस्करण हेतु उन्मुखीकरण जिला स्तरीय कार्यशाला दिनांक 15 मार्च 2018 को आंगनबाड़ी प्रशिक्षण केन्द्र में एकीकृत बाल विकास सेवा, जिला शहडोल (म.प्र.) द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती अल्पना शर्मा ने आयरन एवं विटामिन 'सी' वाले एवं अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के संरक्षण, प्रसंस्करण एवं संरक्षित खाद्य पदार्थों का उपयोग विषय पर उन्मुखीकरण किया।



एक दिवसीय किसान सम्मेलन

भावांतर योजना के अंतर्गत एक दिवसीय किसान सम्मेलन का आयोजन दिनांक 12 फरवरी 2018 को तकनीकी विद्यालय, शहडोल के प्रांगण में किया गया, जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल के वैज्ञानिकों द्वारा फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य, मॉडल रेट के बारे में जानकारी दी गई।



राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल के द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत रबी 2017-18 में कृषकों के खेतों में चना, मसूर एवं अलसी के प्रदर्शन डाले गये। कृषि महाविद्यालय रीवा के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाण्डेय, डॉ. एम.ए. आलम प्राध्यापक, डॉ. एस.के. त्रिपाठी प्राध्यापक, डॉ. मृगेन्द्र सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, श्री पी.एन. त्रिपाठी, कार्यक्रम प्रभारी, श्रीमती अल्पना शर्मा वैज्ञानिक, इंजी. दीपक चौहान, वैज्ञानिक एवं श्री पुष्टेन्द्र सिंह, तकनीकी सहायक आदि के साथ ग्राम चटहा, सिगुड़ी, बोडरी, एवं मड़वा का भ्रमण किया गया है।



कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी

दो दिवसीय उद्यानिकी सेमिनार

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी में दिनांक 28-29 मार्च 2018 को दो दिवसीय उद्यानिकी कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषकों एवं विभिन्न विभागों के कर्मचारियों एवं



अधिकारियों की संख्या 296 थी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अमरकांत सिंह, विधायक प्रतिनिधि कृषि थे।

कृषि उन्नति मेला

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी में 17 मार्च 2018 को कृषि उन्नति मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान माननीय प्रधानमंत्री जी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण किसानों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में कुल 556 किसान उपस्थित थे।



कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली

कृषि विज्ञान केन्द्र का शिलान्यास

कृषि विज्ञान केन्द्र, देवरा, सिंगरौली का माननीय प्रधानमंत्री, भारत सरकार, श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा दिनांक 17 मार्च, 2018 को वेबकास्ट के द्वारा शिलान्यास एवं कृषकों को संबोधित किया गया जिसका सीधा प्रसारण कृषि विज्ञान केन्द्र, देवरा, सिंगरौली में





1610 कृषकों के समक्ष किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में लोकसभा क्षेत्र सीधी की सांसद माननीया श्रीमती रीती पाठक, विशिष्ट अतिथि विधायक सिंगरौली श्री राम लल्लू वैश्य, विधायक धहौनी श्री कुवर सिंह टेकाम, महापौर नगर निगम सिंगरौली श्रीमती प्रेमवती खेरवार एवं कलेक्टर सिंगरौली श्री अनुराग चौधरी, पुलिस अधीक्षक सिंगरौली श्री विनीत जैन, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर की प्रमण्डल सदस्या श्रीमती आशा अरूण यादव उपस्थित रहे। इस दौरान विश्वविद्यालय प्रतिनिधि के रूप में संचालक विस्तार सेवायें, डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, रीवा डॉ. एस.के. पाण्डे वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. आर.पी. जोशी, प्रभारी कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली डॉ. जय सिंह एवं वैज्ञानिक डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़

पौध किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्रशिक्षण सम्पन्न

केंद्र के द्वारा दिनांक 30 जनवरी 2018 को पौध किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण परियोजनान्तर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के विभिन्न फसलों की पुरानी प्रजातियों के बारे में कृषकों को अवगत कराया साथ ही उन प्रजातियों को एकत्रित कर कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से भारत सरकार द्वारा निर्मित जीन बैंक में भेजने हेतु जानकारी दी गई। गेंहू की कम पानी वाली विकसित प्रजातियों को



लगाये क्योंकि बुन्देलखण्ड में पानी की समस्या अधिक है साथ ही पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से नस्लों को सुधारने एवं जिले में विलुप्त हो रही प्रजातियों को संग्रहित करने के साथ-साथ कृषकों को फल-सब्जी की उन्नत तकनीक से खेती करने हेतु विस्तृत जानकारी दी गई।

जिला स्तरीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा एकीकृत उद्यानिकी विकास परियोजना अंतर्गत दो दिवसीय जिला स्तरीय किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन दिनांक 16-17 मार्च को किया गया, जिसके मुख्य अतिथि माननीय श्री पर्वतलाल जी, जिला पंचायत अध्यक्ष टीकमगढ़ रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत कृषकों को फलों एवं सब्जियों के प्रसंस्करण, सब्जियों की संरक्षित खेती, सब्जियों की सूक्ष्म सिंचाई एवं उनका प्रबंधन, उद्यानिकी फसलों का महत्व, फलदार पौधों का रोपण एवं उनका प्रबंधन, सब्जियों का रोग एवं कीट प्रबंधन, सब्जियों एवं अन्य फसलों की प्रजातियों, मृदा परीक्षण हेतु नमूना किस प्रकार लिया जाये एवं संतुलित मात्रा में उर्वरक के साथ साथ जैव उर्वरक भी प्रयोग किया जाये के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।



कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया

आदिवासी उपयोजनान्तर्गत बीज उत्पादन एवं कृषक प्रशिक्षण

आदिवासी बाहुल्य जिला उमरिया में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के पौध प्रजनन एवं अनुवांशिकी विभाग प्रमुख वैज्ञानिक डॉ आर.एस. शुक्ला के मार्गदर्शन में आदिवासी उपयोजनान्तर्गत गेंहू, मटर, चना की नवीनतम उन्नत किस्म का बीज जिले के आदिवासी कृषकों को बीज उत्पादन करने के उद्देश्य से जिले के करकली विकासखंड के सलैया, ताली, धैरखोह, कछरवार इत्यादि गांवों में आदिवासी उपयोजनान्तर्गत प्रदर्शन डाले गये। प्रदर्शन वाले गाँव में गेंहू, चना, मटर फसल पर



कृषक प्रशिक्षण भी आयोजित किये गये जिसमें प्रत्येक प्रशिक्षण में लगभग 200 कृषक उपस्थित थे।

राष्ट्रीय स्तर की कमेटी ने किया राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के प्रदर्शनों का अवलोकन

दिनांक 20 फरवरी, 2018 को कृषि मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से जिले में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत प्रदर्शित किये गये। प्रदर्शनों का निरीक्षण राष्ट्रीय स्तर की निगरानी कमेटी द्वारा किया गया। इस कमेटी में भोपाल से आये भारत सरकार के दलहन विकास कार्यक्रम के संचालक डॉ. ए.के. तिवारी, अध्यक्ष, सदस्य, डॉ. संदीप शर्मा, डॉ. व्ही.पी. कटारिया, डॉ. सतीश ने प्रदर्शन कार्यक्रम का कृषक प्रक्षेत्र पर जाकर अवलोकन किया। अवलोकन दल के साथ जिले के उपसंचालक कृषि, अनुविभागीय अधिकारी, कृषि क्षेत्रीय ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी तथा कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. के.व्ही. सहारे उपस्थित रहे।



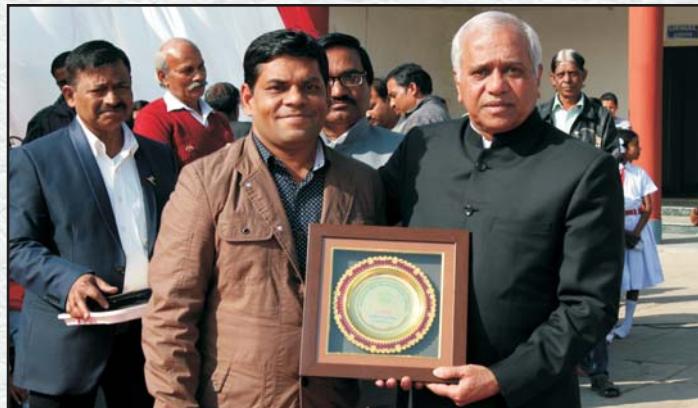
और बीसवें राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिक एवं कृषकों के महाअधिवेशन, बायोब्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चरल टेक्नालॉजी एवं साइंस, इलाहाबाद दिनांक 17-18 फरवरी 2018 में 'बायोब्ड यंग साइंटिस्ट एसोसियेट अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

गणतंत्र दिवस पर कुलपति द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

- कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. बी.एस. किरार को माननीय कुलपति प्रो. पी.के. बिसेन, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा 26 जनवरी 2018 को प्रशस्ति पत्र, शील्ड एवं दस हजार रूपये आदि से उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया।



- कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल के वैज्ञानिक डॉ. संजय जैन को उत्कृष्ट प्रक्षेत्र प्रभारी से सम्मानित किया गया।



सम्मान

जागृति बोरकर, के.व्ही.के. साइंटिस्ट एवं बायोब्ड यंग साइंटिस्ट एसोसिएट अवार्ड से सम्मानित

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा की गृह वैज्ञानिक जागृति बोरकर को समग्र विकास वेलफेयर सोसायटी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कॉन्फरेन्स दिनांक 10-11 फरवरी 2018 में 'के.व्ही.के. साइंटिस्ट अवार्ड'

- कृषि विज्ञान केन्द्र, बड़गांव के वैज्ञानिक डॉ. एस.आर. धुवारे को उत्कृष्ट वैज्ञानिक से सम्मानित किया गया ।
- कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़ के ड्रायवर श्री बी.के. लिटोरिया को उत्कृष्ट वाहन चालक से सम्मानित किया गया ।



गणतंत्र दिवस पर डॉ. रीतेश जायसवाल को प्रशस्ति पत्र

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना के डॉ. रीतेश जायसवाल, वैज्ञानिक को गणतंत्र दिवस पर माननीय मंत्री सुश्री कुसुम सिंह मेंहदेले, म.प्र. शासन के हाथों जिला प्रशासन द्वारा उन्नत कृषि तकनीक के फैलाव के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिये प्रशस्ति पत्र प्रदाय किया गया ।



अखिलेश कुमार डॉ. जे.सी. एडवर्ड मेडल से सम्मानित

बायोबृद्ध अनुसंधान समिति, इलाहाबाद द्वारा आयोजित बीसवीं भारतीय कृषि वैज्ञानिक एवं कृषक कांग्रेस के कार्यक्रम में डॉ. आखिलेश कुमार, पौध संरक्षण वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा को मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, कुलपति, स्टेट यूनिवर्सिटी, इलाहाबाद (उ.प्र.) द्वारा डॉ. जे.सी. एडवर्ड मेडल 2018 से उनके द्वारा सञ्जियों एवं दालों में लगने वाले कीटों को समन्वित प्रबंधन



कर कृषकों की आय को किस तरह दुगुना किया जाय के उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया ।

कृषि वैज्ञानिक श्री के.व्ही. सहारे को मिली डाक्टरेट की उपाधि

कृषि विज्ञान केन्द्र उमरिया के वैज्ञानिक श्री के.व्ही. सहारे को शहडोल संभाग के कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा कराये गये आवश्यकता आधारित कृषक प्रशिक्षण का कृषकों पर पड़ने वाले प्रभाव के शोध विषय पर ग्रामोदय विश्वविद्यालय, चित्रकूट, जिला सतना (म.प्र.) द्वारा डाक्टरेट की उपाधि प्रदाय



की गई । इन्होंने अपना शोध कार्य ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के अधिष्ठाता, डॉ ए.के.गुसा के मार्गदर्शन में पूर्ण किया ।

बधाई

नवनियुक्त संचालक विस्तार सेवायें, डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता ने संचालनालय विस्तार सेवायें की प्रथम महिला संचालक के पद पर दिनांक 5 फरवरी 2018 को कार्यभार ग्रहण किया ।





हे मानव ! ये माना कि तुम हो सक्षम और समर्थ
तो क्या यूँ ही करोगे अन्याय और अनर्थ
अपना संसार बसाते हो, दूजे के नीड़ जलाते हो

वर्तमान में कृषि से जुड़ी खबर जो कि पर्यावरण से संबंधित है, नरवाई जलाना। व्यापक रूप से नरवाई जलाने से उत्पन्न धुंआ, गर्मी और सूक्ष्मकण वायु में प्रदूषण फैलाते हैं। मध्यप्रदेश में बड़े पैमाने पर गेहूँ और धान उगाया जाता है, फसल को मशीनों से कटवाने और अवशेष खेतों में छोड़ देने की परम्परा चल पड़ी है। इन अवशेषों को कृषक अज्ञानतावश खेतों में ही जला देने के साथ पर्यावरण का कितना बड़ा

नुकसान कर रहे हैं। खेत की आग से मिट्टी के उपजाऊ तत्व तो नष्ट होते ही हैं साथ ही कृषि के मित्र कीट, कृमि, केंचुआ एवं सूक्ष्म जीव आदि भी जलकर भस्म हो जाते हैं। आग से भूमि भी बंजर हो जाती है और प्रकृति का संतुलन बिगड़ता है। नरवाई की आग खेत की मेढ़ों पर लगे हरे पेड़ पौधों को भी झुलसा देती है एवं खेतों में रहने वाले साँप, गिलहरी, नेवले आदि भी मारे जाते हैं एवं न जाने कितने परिवार बिछुड़ जाते हैं। पर्यावरण संरक्षण एवं मृदा के स्वास्थ्य हेतु नरवाई जलाने की प्रथा बंद करने का प्रयास हम सबको मिलकर करना होगा, अन्यथा हमें बंजर खेतों, मृत मिट्टी एवं दूषित पर्यावरण के रूप में प्रकृति का प्रकोप झेलना पड़ेगा। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय जैविक खेती केन्द्र, पंचकुला द्वारा एक जैविक दवा कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के माध्यम से तैयार की गई है। इसके छिड़काव से पराली व गेहूँ के तने स्वतः खाद में बदल जायेंगे एवं खाद से भूमि की उर्वरता शक्ति में भी वृद्धि होगी।

आइये, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि आगे आने वाले समय में खेत में नरवाई नहीं जलायेंगे तथा पर्यावरण को संरक्षित करने में अपना योगदान देंगे।

डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता
संचालक विस्तार सेवायें

बुक-पोस्ट मुदित सामग्री

प्रेषक :

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय

अधारताल, जबलपुर (म.प्र.) 482004, भारत

Tele-Fax: 0761-2681710

E-mail: desjnau@rediffmail.com

www.jnkvv.org

प्रति, _____
